कृपया प्रकाशनार्थ **2 अप्रैल 2009**

उत्तर भारतीय उत्तर मुंबई में भारतीय जनता पार्टी की जीत सुनिश्चित करेंगे : श्री महेंद्र सिंह

मालाड के रामलीला मैदान में राम नाईक के समर्थन में उतरे हजारों उत्तर भारतीय

मुंबई, गुरुवार: ''इस बार दिल्ली में सत्ता किसकी होगी यह उत्तर भारतीय ही तय करेंगे चाहे वे उत्तर प्रदेश में रहते हों, बिहार में रहते हों या मुंबई में. आज काम का दिन होते हुए भी आप उत्तर भारतीयों की हजारों की संख्या में आना इस बात की गवाही देता है कि उत्तर मुंबई से भाजपा-शिवसेना के उम्मीदवार श्री राम नाईक की जीत सुनिश्चित है.'' उत्तर प्रदेश भाजपा के महामंत्री श्री महेंद्र सिंह ने कल मालाड के रामलीला मैदान में यह उद्‌गार प्रकट किया. भाजपा के उत्तर भारतीय मोर्चा की तरफ से उत्तर मुंबई में आयोजित संमेलन में बोलते वक्त श्री. महेंद्र सिंह ने श्रोताओं को सावधान करते हुए कहा कि, ''राजनीति एक रानी के समान है जो जिसके पास जाती है वह वैसी हो जाती है. भगवान श्री राम के हाथ में गई तो राम राज्य की स्थापना की. आर्य चाणक्य के पास गई तो अखंड भारत की स्थापना हुई. मगर अब कांग्रेस की पीढ़ियों के पास आने से आतंकवादी भस्मासुर पैदा हुए, बेरोजगारी को बढ़ावा मिला, वहीं जब यह रानी भाजपा के पास गई थी तब भारत में चौतरफा विकास हुआ. अटल जी की सरकार इस बात की गवाह है. इधर महाराष्ट्र में कांग्रेस के राज में मनसे को उकसाकर उत्तर भारतीयों का अपमान कराया गया. उनकी जगह जगह पिटाई करवाई. यही कांग्रेस फिर से आपके सामने वोटों की भीख मांगने आ गई है. पर हम उत्तर भारतीयों को पिछली घटनाओं से सबक लेना चाहिए और आने वाले तीस अप्रैल को इसका जबाब देना चाहिए.''

सर पर लाल फेटा बांधे नवजवान उत्तर भारतीयों से खचाखच भरे मैदान में उत्तर मुंबई से भाजपा-शिवसेना के उम्मीदवार श्री राम नाईक ने कहा कि,''आज भाषा के नाम पर जनता को बांटने की साजिश रची जा रही है. पर हमारी पार्टी का तो शुरू से ही नारा रहा है 'अलग भाषा अलग भेस, फिर भी अपना एक देश, भारत देश भारत देश." सड़कों के किनारे भाजी और ठेला लगानेवाले हॉकरों की समस्या के बारे में बताते हुए श्री राम नाईक ने कहा कि,''जब अटल जी की दिल्ली में सरकार थी तो मैने उनसे स्वरोजगार के लिए एक राष्ट्रीय नीति बनाने की अपील की थी. नीति बनकर संसद में पास भी हो गई थी पर अपना दुर्भाग्य उसे लागू करने से पहले ही यह हमारी सरकार चली गई.

मनमोहन सिंह की सरकार को यह नीति लागू करनी चाहिए थी. पर उन्होंने ऐसा नहीं किया." आगे बोलते हुए श्री नाईक ने याद दिलाया की महाराष्ट्र में यादवों को ओबीसी का दर्जा हासिल है पर बाहर से आनेवाले यादवों को ओबीसी का दर्जा हासिल नहीं था. इसे मैने अन्याय माना और इस बात के लिए उन्होंने संघर्ष किया और यादवों के साथ साथ बढ़ई का काम करनेवाले सुतार यानी विश्वकर्मा बंधुओं को भी ओबीसी का दर्जा दिलवाया.

इस अवसर पर बोलते हुए मुंबई भाजपा अध्यक्ष और विधायक श्री गोपाल शेट्टी ने कहा कि ,‘‘मुंबई के बाहर से आने वाले ही मुंबई को रात में खाना खिलाकर सुलाते हैं. और सुबह में दूध पिलाकर जगाते हैं. अपना कर्तव्य निभाते हुए हम यह नहीं देखते कि कौन मराठी है और कौन पर प्रांतीय. हमारी मेहनत से ही आज मुंबई देश की आर्थिक राजधानी बनी है. कहते हैं मुंबई जिसके साथ में देश की सत्ता उसके हाथ में, हमे इस बात को सदा यह याद रखनी चाहिए.’’

इस अवसर पर अन्य वक्ताओं में उत्तर मुंबई उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष और नगरसेवक एडवोकेट श्री ज्ञानमूर्ति शर्मा,उत्तर मुंबई भाजपा के अध्यक्ष श्री योगेश सागर, मुंबई उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष श्री समशेर सिंह, उपाध्यक्ष श्री आर यू सिंह, और नगर सेवक श्री. शिवकुमार झा प्रमुख हैं. मंच पर अन्य उपस्थितों में महाराष्ट्र भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष श्री विजय भाई गिरकर, मुंबई उत्तर भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री श्री अतुल भातखळकर और श्री रामब्रीज यादव प्रमुख आदी नेतागण थे.

(विनोद शेलार)

प्रचार प्रमुख

भ्रमणध्वनी : 9867689540